B.Ed Ist year

24/05/2020
Wednesday

विषय - हिन्दी शिक्षण

प्रकरण - भाषायी कौशल का विकास

इकाई → 03

भाषा कौशल

1. सुनना
2. बोलना
3. पढ़ना
4. लिखना

भाषा के मूल तत्व एवं आधार

1. भाषा के भौतिक तत्व एवं आधार
2. भाषा के मानसिक तत्व एवं आधार

भाषा सीखने की प्रक्रिया

- → सुनना
- → बोलना
- → पढ़ना
- → लिखना

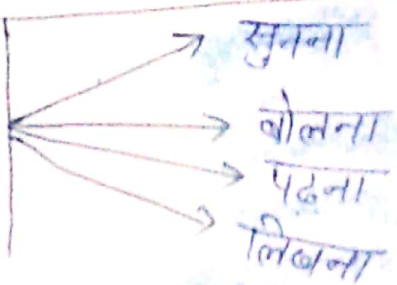

भाषायी कौशलों का विकास

1. पूर्व प्राथमिक स्तर पर श्रवण कौशल।
2. प्राथमिक स्तर पर " "
3. उच्च प्राथमिक स्तर पर " "
4. माध्यमिक स्तर पर " "

Scanned with CamScanner

वाचन कौशल

सामान्यतः कण्ठ, मुख विवर और नासिका से अर्थपूर्ण ध्वनि उत्पन्न करने को बोलना कहते हैं।" जैसे - राम - राम उच्चारण/ भाषण देना।

बोलने के आवश्यक तत्व / आधार

(1) बच्चा का उच्चारण तन्त्र।
(2) बच्चा को भाषा की ध्वनियों, ध्वनि समूहों, वाक्य रचना का ज्ञान।
(3) बच्चा में बोलते समय उचित हाव - भाव प्रदर्शन की आदत।
(4) बच्चा में बोलने की तत्परता, बोलने में उसकी रुचि / अवधान।

पूर्व प्राथमिक स्तर पर वाचन कौशल

(1) अपनी बात कहने की स्वतन्त्रता।
(2) शिशुओं से छोटी - 2 कहानी सुनना।
(3) प्रेम / सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार।
(4) सीमित शब्दों में प्रशंसा।

प्राथमिक स्तर पर वाचन कौशल

(1) विषयों पर आधारित बात करना।
(2) बाल गीत सुनना।
(3) बच्चों से समाचार सुनना।
(4) चित्र वर्णन कराया जाना।

उच्च प्राथमिक स्तर पर वाचन कौशल

(1) पाठ्य पुस्तक से पढ़े लेख व निबन्ध याद करना।
(2) अन्त्याक्षरी, भाषण, वाद विवाद में भाग लेना।
(3) पाठ्य पुस्तक का मौखिक पठन कराया जाना।
(4) सभी अक्षरों के उच्चारण का स्पष्ट ज्ञान कराना।

Scanned with CamScanner

माध्यमिक स्तर पर वाचन कौशल

① दोषों का पता लगाना तथा उन्हें दूर करना ② अवसरानुसार भाषा का प्रयोग करना ③ भाषायी और वैचारिक स्तर बढ़ाना।

पठन कौशल का विकास

"लिखित भाषा को बोधने की क्रिया 'पठन' कहलाती है।"

पठन के प्रकार

① मौखिक रूप से ② मौन रूप से

पठन के आवश्यक तत्व एवं आधार

1 - लिपि ज्ञान / स्पष्ट उच्चारण।
2 - पठनकर्ता की तत्परता / रुचि / अवधान।
3 - विराम चिन्हों के अनुसार अर्थ / भाव बोध करने की क्षमता।
4 -

पूर्व प्राथमिक स्तर पर पठन कौशल का विकास

"केवल सुनने व बोलने के कौशलों का विकास"

प्राथमिक स्तर पर पठन कौशल का विकास

① घर पर पढ़ने के लिए सामग्री देना।
② समाचार - पत्र ~~लेना~~ पढ़ना।
③ बाल - पुस्तकें पढ़ने के अवसर देना।
④ उचित स्वर व गति से उचित हाव भाव के साथ पठन।
⑤ अक्षरों का ज्ञान / स्पष्ट अक्षरोच्चारण।

Scanned with CamScanner

उच्च प्राथमिक स्तर पर पठन कौशल का विकास

(1) गद्यांशों के मौखिक मौन पठन के अवसर

(2) कविताओं को पढ़ाते समय मौखिक पठन के अवसर

(3) पुस्तकें लेने व उनका पठन करने का विकास

(4) पढ़ने में रुचि का विकास

माध्यमिक स्तर पर विकास

(1) व्याकरण का ज्ञान

(2) शब्द भण्डार में वृद्धि

(3) पुस्तकालय व वाचनालय का प्रयोग

(4) पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने में रुचि

लेखन कौशल

" भाषा के माध्यम से कुछ भी लिखना, 'लेखन' कहलाता है।

लेखन के आवश्यक तत्व

Scanned with CamScanner